उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने छात्रवृत्ति योजना के पहले चरण की शुरुआत की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के पहले चरण में 241 छात्रों के खाते में** प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) **के माध्यम से 33 लाख 52 हज़ार रुपए की राशि प्रदान की।**

मुख्य बिंदु:

- यह राशि **राज्य के विश्वविद्यालय परिसरों और सरकारी कॉलेजों में स्नातक प्रथम वर्ष** में प्रवेश करने वाले छात्रों को प्रदान की गई थी।
- महाविद्यालय स्तर पर तैयार की गई **संकायवार मेरिट सूची में न्यूनतम 80% अंक** प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः **प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर 3000, 2000 और 1500 रुपए की मासिक छात्रवृत्ति** प्रदान की जाएगी।
- अन्य कक्षाओं के लिये **वितरित छात्रवृत्ति** संबंधित संस्थान स्तर से समर्थ पोर्टल **पर सत्यापन के बाद** की जाएगी।
- इस योजना को शुरू करने का **मुख्य उद्देश्य सामान्य परिवारों के छात्रों की प्रतिभा को आगे लाना है।**

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना

- इसकी घोषणा **31 मई 2023** को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की थी।
- योजना शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य **छात्रों को** मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करके **उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहित** करना है।
- केवल **स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र ही छात्रवृत्ति** के लिये पात्र हैं।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)

- यह सरकारी वितरण प्रणाली में सुधार के उद्देश्य से **भारत सरकार द्वारा 1 जनवरी 2013 को** शुरू की गई एक पहल है।
- इसे सिस्टम के भीतर धोखाधड़ी प्रथाओं को कम करने के साथ-साथ **लाभार्थियों को सूचना और धन के हस्तांतरण को सुव्यवस्थित तथा तीव्र करने हेतु डिज़ाइन** किया गया है।
- DBT अधिक कुशल और पारदर्शी वितरण तंत्र सुनिश्चित करते हुए, इच्छित प्राप्तकर्त्ताओं को सरकारी सब्सिडी, लाभ तथा सहायता के **सीधे हस्तांतरण को सक्षम बनाता** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-cm-initiates-first-phase-of-scholarship-scheme